COMMITTEE ON ABSENCE OF MEMBERS FROM THE SITTINGS OF THE HOUSE

Minutes

SHRI P.V.G. RAJU (Bobbili) : Sir, I beg to lay on the Table Minutes (Hindi and English versions) of the sittings of the Committee on Absence of Members from the Sittings of the House held on the 15th April, 1983 and 2nd May, 1983.

COMMITTEE ON PETITIONS

Thirteenth Report

SHRI R.L. BHATIA (Amritsar) : Sir, I beg to present the Thirteenth Report (Hindi and English versions) of the Committee on Petitions.

BUSINESS OF HOUSE

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH) : With your permission, Sir, I rise to announce that Government Business in this House on 9th and 10th May, 1983 will consist of :—

1. Consideration of any item of Government Business carried over from today's Order Paper.
2. Discussion under Rule 193 on the statement made by the Minister of Home Affairs regarding Punjab on Monday, the 9th May, 1983 at 4 P.M.

12.05 Hrs.

(Interruptions)

PROF. RUP CHAND PAL (Hooghly) : Tripura...

MR. SPEAKER : I have already allowed about two or three days back. I think Mr. Bahuguna or somebody else has done it.

(Interruptions)

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY (Calcutta South) : What has happened to my Adjournment Motion ? Prof. Madhu Dandavate was telling 'Friday' and that frightened me. Prof. Madhu Dandvate's 'Friday' frightened me. What about my Adjournment Motion ?

MR. SPEAKER : Rejected. Not admitted.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : About floods in Tripura...

PROF. MADHU DANDAVATE (Rajapur) : How can there be Adjournment Motion.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : He said 'No Adjournment Motion on Friday' and I got frightened. He is a senior Member.. *(Interruptions)* What has happened to my Adjournment Motion ? There are devastating floods in Tripura and many people and heads of cattle have died...

MR. SPEAKER : State Government...

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : 'Flood' is not a State subject. It is caused by nature. What is the reaction of the Centre ? The Chief Minister has sent a telegram to the Central Government.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : No Adjournment Motion has been allowed.

(Interruptions)

श्री जगपाल सिंह (हरिद्वार) : अध्यक्ष महोदय, मैंने एडजार्नमेंट मोशन दिया है कि पाकिस्तान में युवकों को सिख के रूप में वेश-भूषा पहनाकर ट्रेनिंग दी जा रही है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि भारत सरकार को पाकिस्तान सरकार से प्रोटैस्ट करना चाहिए।...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : मैंने एलाउ नहीं किया। जानकारी प्राप्त करने के बाद देखूंगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कोई चीज जो जोरदार होती है, तो उसकी एन्क्वायरी की जाती है। लाजमी तौर पर की जाती है। जब आपका नोटिस आया था, उसी वक्त एन्क्वायरी कराई है।

(व्यवधान)

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : अध्यक्ष महोदय, एक महत्वपूर्ण बात जो अखबार में छपी है—"प्याज-न घर का, न घाट का" ...

अध्यक्ष महोदय : प्याज का एलाउ कर दिया है। आ रहा है।

श्री हरीश कुमार गंगवार : अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ आधा मिनट लूंगा।

अध्यक्ष महोदय : मैंने एलाउ कर दिया है।

श्री हरीश कुमार गंगवार : "नाफेड" की मान्यता के अनुसार लगभग 30 हजार टन प्याज रूस निर्यात करने का समझौता हुआ था।

अध्यक्ष महोदय : हरीश जी मैंने एलाउ कर दिया है, आज ही आ रहा है।

श्री हरीश कुमार गंगवार : अध्यक्ष महोदय; ...

अध्यक्ष महोदय : आ रहा है। आप हरीश जी का नाम छाप देना। मैंने सिफारिश कर दी है।

(व्यवधान)

SHRI RAJESH PILOT (Bharatpur) : Damage to the crops of farmers. Sir, you assured that the Government will stop the government recovery from the farmers, but nothing has been done on that. You assured us after the discussion that action will be taken. Sir, you please admit our notice and allow a discussion.

अध्यक्ष महोदय : आप और लिखकर दीजिये।

श्री मूलचन्द डागा (पाली) : अध्यक्ष महोदय, मेम्बर सेलरी एण्ड एलाउन्सेज जिस एजेन्डा पर आ चुका था। क्या मंत्री महोदय उसे इसी सेशन में पास कराएंगे। वह एक जरूरी बिल है।

अध्यक्ष महोदय : आप लिख कर दिये होते, तो मैं एलाऊ करता।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : (नई दिल्ली): अध्यक्ष महोदय, मैं बिजनैस एडवाइजरी कमेटी का मेम्बर हूं, इसलिए मुझे अनुमति नहीं दी गई है।

अध्यक्ष महोदय : ऐसे अनुमति नहीं देते हैं। डबल काम कैसे करने दें आप को।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह धनबाद के कारखाने का मामला है।

अध्यक्ष महोदय : वह फिर देखेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : वह तीन साल से बन्द है। मैं इसे फिर कैसे उठाऊं।

संसदीय कार्य, खेल तथा निर्माण और आवास मन्त्री (श्री बूटा सिंह) : फिल्म में भी कभी-कभी दो-दो रोल होते हैं।...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : बैठ जाओ, दो दिन पहले कर दिया है।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur) : Sir, I like the following items to be included in the Government business for the 9th and 10th May, 1983 :—

(1) Introduction of EMU Coach and fast train in Burdwan-Asansol section; and declaration of the Burdwan-Asansol Section as Suburban section ;

(2) The situation arising out of heavy rains...

अध्यक्ष महोदय : यह आप एप्रूव्ड टैक्स्ट पढ़ रहे हैं ?

PROF. MADHU DANDAVATE : He has read what is approved by his Party Office.

अध्यक्ष महोदय : लेकिन यहां तो जो मैं करूंगा, वही लागू होगा। वह ओवरराइडिंग है।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER : Sir, to-day you are in a relaxed mood.

MR. SPEAKER : I am always in a relaxed mood.

पढ़िये जो हम ने एप्रूव किया है। Only that will form part of the record.

Whatever we have approved, that should only be taken.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER : Item 2—The situation arising out of heavy rains in Tripura resulting in loss of lives and crops ; and serious situation arising out of shortage of foodgrains in Tripura Don't tell them to omit.

MR. SPEAKER : Rule is rule. It is for you as well as for me. You would allow me to uphold the rule.

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : बदनाम मैं होता हूं लेकिन काम सब वही करते हैं।

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER : But after laying of the papers on the Table, you have allowed Members to raise different points.

अध्यक्ष महोदय : आप की अनुमति से ही मैं काम करता हूं।

I only obey your orders.

श्री कृष्ण चन्द्र हाल्दर : मैं भी आपकी अनुमति से काम करता हूं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। श्री हरीश कुमार गंगवार।

श्री हरीश कुमार गंगवार (पीलीभीत) : अध्यक्ष महोदय, दिनांक 9 एवं 10 मई, 1983 को कार्य सूची में पर्याप्त महत्व के निम्न विषयों को भी विचार के लिये जोड़ा जाये :—

1. धनबाद जिले के कुमार ध्रुवी इन्जीनियरिंग वर्क्स के 4 हजार मजदूरों को पिछले 4 वर्षों से वेतन का एक भी पैसा नहीं मिला है। वे बारोजगार होते हुए बेरोजगार से बदतर हैं।

के० ई० डब्ल्यु० नामक यह कारखाना सौ साल से भी अधिक समय से भारी इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्माण करता था। युद्ध के लिये सामान, असम व कश्मीर को पाइप लाइन, चितरंजन लोकोमोटिव के लिए मशीनें, भाखड़ा नंगल के लिये इंजीनियरिंग सामान, सिलिका मैंगनीज प्लेट मोबाइल क्रेन आदि सब यहां बनती रही हैं। पर यहां के काबिल मिस्त्रियों को आज सड़कों फुटपाथों पर भीख मांगते देखा जा सकता है। इन लोगों को रोजगार में लगाने के लिये तुरन्त कार्यवाही आवश्यक है।

2. राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम में कर्मचारियों का पिछले 15 वर्षों से वेतन-क्रम का पुनरीक्षण नहीं किया गया है। उन्हें महंगाई भत्ता भी नाममात्र को दिया जा रहा है। 90 दिन के बाद अकारण न निकालने व 240 दिन काम करने के बाद स्थायी किये जाने के आदेशों तथा 2 वर्ष से कार्यरत कर्मचारियों को नियमित किये जाने के आदेशों के बावजूद 2 से 10 वर्ष तक की अवधि तक कार्यरत 500 से ऊपर इस निर्माण निगम में लाभ के स्थान पर करोड़ों रुपये का घाटा हो रहा है। कर्मचारियों को अकारण निकाल दिया गया है। इन सब प्रश्नों पर तुरन्त विचार कर सुधारात्मक पग उठाना आवश्यक है।

श्री मंगलराम प्रेमी (बिजनौर) : मैं आगामी सप्ताह की कार्य सूची में निम्नलिखित विषय को सम्मिलित कराना चाहता हूं, ताकि सफाई कर्मचारियों की समस्या पर चर्चा की जा सके।

बी० एच० ई० एल० रानीपुर, हरिद्वार में 8-9 वर्षों से समस्त सफाई कर्मचारियो की ठेका प्रथा को समाप्त करने हेतु ये कर्मचारी 14 अप्रैल से शान्तिपूर्वक हड़ताल चला रहे हैं। इस संबंध में माननीय उद्योग मन्त्री एव अन्य सबंधित अधिकारियों एव मंत्रियों से संपर्क स्थापित किया गया और इन गरीब मजदूरों को चल रही ठेका प्रथा को समाप्त करने का आश्वासन भी दिया गया। लेकिन बहुत ही दुख का विषय है अभी तक इन सफाई कर्मचारियों की, जिनकी संख्या करीब ढाई सौ है, सेवा को ठेका प्रथा समाप्त कर स्थाई करने के बजाए इस मामले को लंबित रखा जा रहा है। यह केन्द्र सरकार के नए बीस-सूत्री कार्यक्रम के अतर्गत भी है।

इन सफाई कर्मचारियों को ठेकेदार लगभग 8 या 9 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मजदूरी देता है, जिसमें रविवार व सरकारी छुट्टियां

कट जाती हैं। प्रबंधकों (मैनेजमेंट) का सांठ-गांठ से ठेकेदार मोटी रकम कमा कर इन ढाई सौ सफाई कर्मचारियों, जिसमें सभी गरीब, भूमिहीन व हरिजन परिवारों से हैं, का शोषण हो रहा है।

अत: सरकार से आग्रह है कि इन सभी सफाई कर्मचारियों की ठेका प्रथा को समाप्त कर प्रबंधकों एवं ठेकेदारों की साँठ-गांठ से हो रहे शोषण को बन्द किया जाए व उन्हें स्थायी सेवा दिलाने की कृपा की जाए, ताकि ये स्वतंत्र भारत के नागरिक हो का गौरव महसूस कर सकें।

MR. SPEAKER : Prof. Dandavate.

PROF. MADHU DANDAVATE. Sir, I would suggest the inclusion of the following item in the next week's business :

'DELAY IN THE CLEARANCE OF 'ANTI-DEFECTION BILL' AND 'LOK AYUKTA BILL' INTRODUCED IN THE KARNATAKA ASSEMBLY'.

'Anti-defection Bill' to curb defections that pollute the political climate and the Lokayukta Bill' seeking to prevent the corruption in high places, bringing the Chief Minister of State also within the jurisdiction of the Bill introduced in the Karnataka Assembly, have been sent to the President.

The Bills can be cleared on the advice of the Union Cabinet. However, the clearance of these two important Bills is still pending.

It is necessary that the clearance of these Bills is expedited since they seek to deal with the twin evils of political defections and corruption in high places.

The Government should make a statement in the House regarding the causes of delay in the clearance of these two Bills.

Please give them the Directive to make a statement.

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : इसके पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि कालिंग अटेंशन और 377 को आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा पूरी अहमियत दी जानी चाहिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : फिर वही नाम का रोना।

श्री मनीराम बागड़ी : नाम का रोना तो है ही। अगर आपका नाम नहीं होता तो आपको तीन वोट भी नहीं मिलते।

आने वाले सप्ताह में चर्चा के लिये चर्चा की सूची में नीचे लिखे सवालों को जोड़ा जाए :—

1. भारत जैसे खेतिहर देश को फसलों से लाभ उठाकर अपना अर्थतंत्र मजबूत करना यदि नहीं आता तो यह दुर्भाग्य ही कहा जाएगा। इसका ताजा उदाहरण प्याज है, जिसका रूस के साथ व्यापार किया गया। परन्तु ठीक ढंग से भेजने की व्यवस्था न होने के कारण करोड़ों रुपये का प्याज सड़ रहा है और किसानों को प्याज की उचित दर भी नहीं मिलती है। रूस के साथ प्याज का 30 हजार टन भेजने का फैसला हुआ था लेकिन अभी तक 15 हजार टन भारत में ही पड़ा सड़ रहा है।

2. संसद में स्व० चौ० छोटूराम जो भारत के किसानों के नेता हुए हैं, की डाक टिकट के बारे में लोक सभा में सवाल उठाया था और प्रो० रंगा ने उसका अनुमोदन किया था और अध्यक्ष जी, आपने सदन की राय जानने के बाद यह कहा था कि सारे सदन की यह इच्छा है कि चौधरी छोटू राम की डाक टिकट जारी की जाये और सरकार करेगी। लेकिन अभी तक डाक टिकट जारी नहीं हुए हैं। इस पर चर्चा करने का मौका दिया जाये।

श्री अशफाक हुसैन (महाराजगंज) : उत्तर प्रदेश के अधिकांश भागों में और खासतौर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक तिहाई से भी अधिक गन्ने की फसल खेतों में खड़ी हुई है। किसान चिंतित हैं कि उनका गन्ना खेतों में खड़ा रह जायेगा और मजबूरन खेतों में ही फूंक देना पड़ेगा। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में सिसवा बाजार चीनी मिल, महीने में 15 दिन से ज्यादा नहीं चल पाती है। इस मिल क्षेत्र के गन्ने की पेराई

की विशेष व्यवस्था की आवश्यकता है। गन्ना आपूर्ति के भुगतान में भी विलम्ब हो रहा है। मेरे और सदन के अनेक माननीय सदस्यों की बार-बार चेतावनी पर और खासतौर से स्पीकर महोदय के हस्तक्षेप पर लगभग एक चौथाई बकाये का भुगतान तो हुआ लेकिन करीब-करीब सारा भुगतान सोसायटी ने अपने बकाये में मुजरा कर लिया है। कम से कम 31 मार्च तक की गन्ना सप्लाई के बकाये के भुगतान की व्यवस्था अविलम्ब होनी चाहिये।

12.16 hrs.

(Mr. Deputy-Speaker in the Chair)

2. खाड़ी और अरब देशों के गोश्त और गोश्त वाले जानवरों के निर्यात से इस रोजगार में लगे लाखों लोगों को रोजी मिली थी पर इन देशों ने इलजाम लगाया है कि हमारे देश के जानवर प्लेग की बीमारी से पीड़ित हैं और इनमें से अधिकांश देशों ने भारत से अपने देश में जानवर और गोश्त दोनों के आयात पर पाबंदी लगा दी है। जानवरों और गोश्त की खेप जो रास्ते में जहाजों पर है उन्हें भी लेने से इंकार कर दिया है।

इन दोनों गभीर विषयों पर अगले हफ्ते सदन में बहस जरूरी समझता हूं।

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आवला) : मैं संसदीय कार्य मंत्री के आगामी सप्ताह की कार्यवाही के सम्बन्ध में निम्न वक्तव्य देना चाहता हूं :—

चीनी के अनेक कारखाने बंद किए जा रहे हैं और देश के अनेक भागों में अभी तक गन्ना खड़ा हुआ है, उसकी पिराई नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश में एवं बदायूं के मिल को बंद कर लाखों गन्ना किसानों से खिलवाड़ करने और उनके खड़े गन्ने की पिराई न कर इसे नष्ट करने की स्थिति उत्पन्न की जा रही है। इससे किसानों को अरबों रुपये की क्षति होगी और देश को भी बहुत हानि होगी। सरकार निर्देश दे कि गन्ना मिलों में उस समय तक पिराई चालू रखी जाये जब तक कुल गन्ने की पिराई न हो जाये।

2. बदायूं जिला उत्तर प्रदेश का बहुत पिछड़ा जिला है। आवागमन के साधन की कमी के कारण इस क्षेत्र का विकास नहीं हो पा रहा है। इस जिले के लोगों की बराबर मांग रही है कि शाहजानपुर कटरा से दातागंज, बिनावर, बदायूं, बजीरगंज होकर चंदोसी तक बड़ी रेल लाइन बिछा कर इसे बड़ी लाइन से जोड़ दिया जाये। आगामी सप्ताह इन दोनों मुद्दों को चर्चा के लिये सम्मिलित किया जाए।

CANTONMENTS (AMENDMENT) BILL—COTD.

MR. DEPUTY SPEAKER : Now, the House will take up the next item on the agenda, namely, further consideration of the motion moved by Shri K. P. Singh Deo. Mr. Daga was on his legs. He will continue his speech. Please conclude in five minutes.

श्री मूलचन्द डागा (पाली) : उपाध्यक्ष महोदय, आपके द्वारा मैं माननीय रक्षा मंत्री जी से नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि इस बिल में 167 क्लाजेज हैं और आपने अमेंडमेंट्स भी किए हैं। अच्छा होता यदि यह बिल थोड़े समय के लिए सिलेक्ट कमेटी को भेज दिया जाता। इस प्रकार के कानून जब बनते हैं तो कुछ घन्टों में पारित हो जाते हैं और लाखों लोगों पर इसका प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार के बिल जल्दी में पास नहीं होने चाहिए। अगर यह बिल सिलेक्ट कमेटी को भेज देते हैं तो केन्टोनमेंट में रहने वाले लोग अपनी तकलीफ इस कमेटी के सामने बता सकते हैं। पार्लियामेंट में भी जब कभी बिल आते हैं तो स्टेंडिंग कमेटी में उनको इक्जामिन किया जाता है, उसके बाद टेक-अप होते हैं। सन् 1924 का एक्ट जो आपने इस बिल के द्वारा पेश किया है, उसे आप 1983 में संशोधित कर रहे हैं। मैं नहीं समझता कि 5-6 महीने में कोई बड़ा आसमान जमीन पर आ जायेगा। मैंने जब इस बिल को पढ़ा तो मुझे